

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवेश - २

रविवार, ७ जुलाई, २०१३

समय : दोपहर २.०० से ४.१५

कुल गुण : ७५



अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

👉 परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन

दिनांक	महिना	वर्ष
<input type="text"/>	<input type="text"/>	<input type="text"/>

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर

👉 पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (५)	
	६ (८)	

विभाग-१, कुल गुण (३८)

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (६)	
	९ (५)	
	१० (५)	
	११ (६)	
	१२ (६)	

विभाग-२, कुल गुण (३७)

मोडरेशन विभाग माटे ४

गुण शब्दोंमां

रेडर - नाम

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।
२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।
३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।
४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।
५. बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
६. प्रश्न के गुण →

गुण : १	
---------	--

 ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह
७. परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।
९. परीक्षा खंड के बाहर और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।
१०. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्यूट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गिनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।
११. मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will **not** be considered valid.
6. Marks for Question →

1 Mark	
--------	--

 ← Space for Examiner to write marks
7. Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.
11. In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.

विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवेश

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “आप इतनी दूर से चल कर आये हैं, थक गये होंगे, इसलिये आप अब सो जाइये ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३

२. “मैं संसार में रहना नहीं चाहती, मुझे केवल आपकी भक्ति ही करनी है ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३

३. “स्वामी एक ही हैं और वे हैं रामानंद स्वामी, इसलिये मैं और किसी के दर्शनार्थ नहीं जाऊँगी ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक   केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. सत्संगियों को हररोज तिलक करके कुमकुम का गोल टीका लगाना चाहिए ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २

२. श्रीजीमहाराज ने गोपीनाथ महाराज की जयघोषणा करवाई ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ३ गुण - ५	नाम	प्र - ४ गुण - ५	नाम
----------------------------------	--------------------	-----	--------------------	-----

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **३३** **३३** केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. शिष्य की गुरु के प्रति पूज्यभाव की पराकाष्ठा क्या है ?

गुण : १

२. सच्चिदानंद स्वामी का वैराग्य कैसा था ?

गुण : १

३. गुरु जीव को दीक्षा के समय पर क्या मंत्र कहते हैं ?

गुण : १

४. श्रीजीमहाराज आत्मानंद स्वामी को धाम में क्यों नहीं ले जाते थे ?

गुण : १

५. माणिकठारी पूर्णिमा के दिन किसका जन्म हुआ था ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **३३** **३३** केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ वचनामृत गढ़डा प्रथम प्रकरण - ६ - का निरूपण लिखिए । (कुल गुण : ५)

विभाग - २ : शास्त्रीजी महाराज

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “स्वामीश्री के विरुद्ध कार्य करने के लिए रिश्तत लूँ, ऐसा मैं गुरुद्रोही नहीं हूँ ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३

२. “मैं क्या कहीं चला गया हूँ, मैं तो तुम्हारे स्वरूप में समा गया हूँ ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३

३. “यज्ञपुरुषदास जैसे विद्वान सन्त यदि वड़ताल से मिल जाते हैं तो सत्संग में अभिवृद्धि ही होगी उसमें कोई संदेह नहीं है ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक **९** केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. मातापिता ने लड़के डुंगर पर कपड़ा डाल कर बगल के दूसरे घर में रख दिया ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २

२. पूना के हरिभक्त भगवानदास को स्वामीश्री ने भोजन कर लेने को कहा ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १० गुण - ५	नाम	प्र - ११ गुण - ६	नाम
----------------------------------	---------------------	-----	---------------------	-----

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. डुंगर भक्त की दीक्षा की तिथि और स्थल बताईए ।

गुण : १

२. धर्मपरायण और ज्ञानियों को कितनी आँखें होती है ?

गुण : १

३. जागाभक्त को कथावार्ता करने की मनाई किसने की थी और किसने हटवाई ?

गुण : १

४. यज्ञपुरुषदासजी ने भगतजी महाराज के लिए कौन सी दो भेंट भेजी ?

गुण : १

५. समढ़ियाला के हरखा पटेल को स्वामीश्री ने कौन-सा धर्मपालन करवाया ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ६)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. दोलतरामभाई ने कही हुई स्वामीश्री की महत्ता ।

गुण : २

(१) ☐ जिस कार्य को पूरा करने के लिये श्रीजीमहाराज को इस धरती पर पुनः अवतार लेना पड़ता, वही कार्य आपने किया है ।

(२) ☐ आप अहमदाबाद संस्था के साथ समाधान चाहते हैं ?

(३) ☐ भविष्य में आपके शिष्य आपकी सुवर्णमयी मूर्ति की प्रतिष्ठा करेंगे ।

(४) ☐ उस स्वामी की बात में ऐसा क्या लिखा है कि उसको स्वीकार करवाने का आप आग्रह कर रहे हैं ?

२. सूरत में विज्ञानानंद स्वामी के साथ में डुंगर भक्त ।

गुण : २

(१) ☐ दो मास में तो सारस्वत व्याकरण पूरा कर लिया ।

(२) ☐ कोठार का काम करते ।

(३) ☐ हिसाबकिताब ठीक रखते थे ।

(४) ☐ चार मास में तो सारस्वत व्याकरण पूरा कर लिया ।

३. समर्थ वक्ता यज्ञपुरुषदासजी ।

गुण : २

(१) ☐ भगादोशी के पौत्र हरिलाल सेठ ने जूनागढ़ में सत्संगिजीवन की कथा करवाई ।

(२) ☐ यज्ञपुरुषदास जब कथा कहने को बैठे तब मुझे बुलाना ।

(३) ☐ जिसकी कथा से विशेष आनन्द मिला हो, उसकी ही प्रथम पूजा की जानी चाहिए ।

(४) ☐ रघुवीरचरणदास का पूजन सर्वप्रथम करवाया ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्हीं गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

